SMB GITA SR. SEC. SCHOOL

Railway Road, Kurukshetra (Haryana)

Affiliated to CBSE (Affiliation No. 532013)

NOW EXPOSURE WITH GENESIS

PROSPECTUS | 2024-25

विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान

हमारा लक्ष्य

हमारा लक्ष्य इस प्रकार की राष्ट्रीय शिक्षा-प्रणाली का विकास करना है जिसके द्वारा ऐसी युवा-पीढ़ी का निर्माण हो सके जो हिन्दुत्वनिष्ठ एवं राष्ट्रभक्ति से ओत-प्रोत हो, शारीरिक, प्राणिक, मानसिक, बौद्धिक एवं आध्यात्मिक दृष्टि से पूर्ण विकसित हो तथा जो जीवन की वर्तमान चुनौतियों का सामना सफलतापूर्वक कर सके और उसका जीवन ग्रामों, वनों, गिरिकन्दराओं एवं झुग्गी-झोपड़ियों में निवास करने वाले दीन-दुःखी अभावग्रस्त अपने बान्धवों को सामाजिक कुरीतियों, शोषण एवं अन्याय से मुक्त कराकर राष्ट्र जीवन को समरस, सुसम्पन्न एवं सुसंस्कृत बनाने के लिए समर्पित हो।

अध्यक्ष
डॉ. विश्वराज सिंह
कृषि वैज्ञानिक

प्रबन्धक
श्री अशोक रोशा
व्यवसायी

आशीष

''प्रत्येक छात्र के मस्तिष्क में यह बात अच्छी तरह बैठा देनी होगी कि मैं अपने राष्ट्र की सेवा करुँगा । राष्ट्र में ज्ञान-विज्ञान की विविध धाराओं को पुष्ट करुँगा । आधुनिक जगत में प्रगति के जो-जो मार्ग दिखाई दे रहे हैं, उन सबका गहरा अध्ययन कर आगे बढ़ूँगा। अपने स्वार्थ का लेशमात्र विचार नहीं करुँगा । प्रत्येक छात्र में ऐसी निश्चयात्मक बुद्धि का निर्माण करने के लिए ही इस विद्यालय की आवश्यकता है । समाज का एक प्रतिनिधि होने के नाते समाज रूपी भगवान से मैं कामना करता हूँ कि राष्ट्र, धर्म, संस्कृति आदि के श्रेष्ठ संस्कार सम्पूर्ण समाज में जागृत करने के लिए विद्यालय सब प्रकार से उत्कर्षशील हो।''

विद्यालय प्रारम्भ करते समय एक उद्देश्य भी सामने रखा गया था । प्रचलित शिक्षा प्रणाली में धर्मनीति, राष्ट्रभक्ति, मातृभूमि के प्रति अनन्य श्रद्धा आदि के संस्कार देने की कोई प्रभावी व्यवस्था नहीं है । इस कमी को पूरा करने का प्रयास हम इस विद्यालय में करेंगे, इसी विश्वास को हृदय में धारण कर यह विद्यालय प्रारम्भ किया गया था । आज यह देखकर बड़ा आनन्द हुआ कि उस समय धारण किया हुआ विश्वास पूरा हो रहा है ।

परमपूजनीय श्री गुरुजी द्वारा दिनाँक 21.12.1973 को गीता विद्यालय रजत जयन्ती समारोह में दिए गए उद्बोधन का अंश । (श्री गुरुजी समग्र दर्शन खण्ड 7 से संकलित)।

परमपूजनीय माधवराव सदाशिवराव गोलवलकर (श्री गुरु जी)

प्राचार्य की कलम से...

प्रथमेनार्जिता विद्या द्वितीये नार्जितं धनम् ।
तृतीयेनार्जितं पुण्यं चतुर्थे किं करिष्यति ।।

हमारे देश की शास्त्रीय परम्परा के अनुसार मानव जीवन चार आश्रमों में विभक्त है, ब्रह्मचर्य, गृहस्थ, वानप्रस्थ एवं संन्यास । इस आश्रम व्यवस्था के अनुसार यदि हम अपने जीवन को प्रवृत्त कर लें तो हम अपने आप को कृतकृत्य कर सकते हैं । इस व्यवस्था के अनुसार जीवन का पहला चरण अर्थात् ब्रह्मचर्य आश्रम अत्यन्त महत्त्वपूर्ण है ।

इसी चरण में माँ शारदा के चरणों में बैठकर विद्यार्जन करके हम अपने आपको जीवन की भावी चुनौतियों के लिए तैयार करते हैं। इसके लिए उपयुक्त स्थान विद्यालय ही होता है। यद्यपि परिवार जीवन की प्रथम पाठशाला एवं माता प्रथम गुरु होती है, तो भी विद्यार्जन उपयुक्त वातावरण में ही होता है, जिसके लिए निश्चित आयु के पश्चात् बालक को विद्यालय में भेजा जाना अनिवार्य है । उपर्युक्त सूक्ति के अनुसार संस्कार युक्त विद्यार्जन करने के पश्चात् गृहस्थ जीवन में सब प्रकार की आवश्यकताओं की पूर्ति नि:सन्देह निश्चित हो जाती है तथा संस्कार युक्त विद्यार्जन अधोलिखित सूक्ति को सार्थक कर देता है:-

विद्या ददाति विनयं विनयाद्याति पात्रताम् ।
पात्रत्वात् धनमाप्नोति धनात् धर्मं ततः सुखम् ।।

कहने का अभिप्राय है कि यदि हम विद्यार्थी जीवन का अधिकाधिक समय माँ शारदा की आराधना अर्थात् विद्यार्जन में लगायेंगें तो हम में से कोई 'राम' जैसा मर्यादा पुरुषोत्तम, 'कृष्ण' जैसा नीतिज्ञ, प्रतापी, महाराणा प्रताप व शिवाजी जैसा देशभक्त और विवेकानन्द जैसा ज्ञानी, रमन और भाभा जैसा वैज्ञानिक, सुभाष जैसा सेनानी तथा भगत सिंह जैसा बलिदानी बन सकता है ।

हमारे देश की परम्परा अत्यन्त गौरवशाली होने के कारण हमें गर्व है कि हम भारत माता की सन्तान हैं। इसकी सन्तान होने के कारण हमारा यह पावन कर्त्तव्य बनता है कि हम इसकी परम्परा के सुयोग्य निर्वाहक बनें, उसके लिए हमारा राष्ट्रभक्त, धर्मनिष्ठ, स्वाभिमानी एवं अनुशासित होना नितान्त अनिवार्य है। इनकी पूर्ति की मूलभूत आवश्यकता संस्कारयुक्त वातावरण में रहकर, व्यवस्थित दिनचर्या का पालन करते हुए शिक्षा ग्रहण करने से होती है । तदर्थ विद्या के पावन मन्दिर की भूमिका एक माली जैसी है। वह अपने उद्यान में खिलने वाले पुष्पों की सतत् देखरेख करता है तथा समय आने पर वे पुष्प अपनी-अपनी मूल प्रकृति के अनुसार सुगन्ध से उद्यान को सुवासित करने लग जाते हैं। यह विद्यालय रूपी माली विद्यार्थी रूपी पुष्पों को विविध विषयों का ज्ञान प्रदान कर सुशिक्षित एवं सुवासित करते हुए "विद्या भारती" के लक्ष्य की पूर्ति की ओर अग्रसर होकर "सा विद्या या विमुक्तये" इस ध्येय वाक्य को सार्थक करें।

इस अपेक्षा की पूर्ति हेतु मेरा माँ शारदा के पावन मन्दिर का मुखिया होने के नाते आचार्यगण, कर्मचारी एवं विद्यार्थियों के माता-पिता की ओर से माँ शारदा के चरणों में साष्टाङ्ग दण्डवत् प्रणाम करते हुए निवेदन है कि हम सबको अपना-अपना कर्त्तव्य निर्वहन करने का आशीर्वाद प्रदान करके कृतार्थ करें । तो आइये! माँ शारदा के चरणों में समवेत स्वर में अपनी आकांक्षा रखें .....

अनिल कुमार

मेरा परिचय

मेरा जन्म 19 नवम्बर सन् 1946 को हुआ । मैं अत्यंत भाग्यशाली हूँ क्योंकि जिस महामानव की यज्ञ आहुति से मैं अस्तित्व में आया वह पुण्य आत्मा थी परमपूजनीय माधवराव सदाशिवराव गोलवलकर (श्री गुरु जी) । मेरा शैशव काल अनेक कठिनाइयों में बीता । सर्वप्रथम मुझे काली कमली आश्रम में रखा गया । कुछ समय पश्चात् एक विशाल भूखण्ड कुरुक्षेत्र नगर के प्रतिष्ठित समाजसेवी दान वीरों लाला माधोराम जी, लाला इन्द्रसेन जी, लाला रघुवर दयाल जी, लाला साधु राम जी, भगत राम जी, ईश्वर चंद जी व प्रेमचंद जी ने मेरे नाम कर दिया । मान्यवर खेमचन्द जी मेरे प्रथम प्रधानाचार्य थे । उस समय कुल 250 विद्यार्थी होंगे । सन् 1948 में श्री लक्ष्मणदेव कालड़ा जी का मार्गदर्शन मुझे मिला । 1958 से 1964 तक मेरा मार्गदर्शन श्री विश्वनाथ जी ने किया । 1964 से 1991 तक श्री दीनानाथ बत्रा जी ने अडिग इच्छा शक्ति एवं दृढ़ संकल्प के साथ अपना पिता तुल्य प्यार मुझे दिया । 1968 से 1978 तक की अवधि मेरे सर्वांगीण विकास के लिए अत्यंत महत्त्वपूर्ण थी । मेरा स्तर बढ़ कर उच्चतर माध्यमिक हो गया । 1991 से 2001 तक श्री रतन चन्द सरदाना जी मेरे प्रधानाचार्य रहे । मेरा विकास निरंतर गति से चलता रहा । 26 जनवरी 1993 को श्री रतन चन्द सरदाना जी को उत्कृष्ट सेवाओं के लिए सम्मानित किया गया । सन् 2001 से श्री राम प्रसाद स्वामी जी ने मुझे निरंतर प्रगति पथ पर अग्रसर किया । श्री स्वामी जी ने विद्यालय के पुरातन स्वरूप को नवीनता से युक्त करते हुए मुझे एक भव्य स्वरूप प्रदान किया । सन् 2013 से मुझे श्री अनिल कुलश्रेष्ठ जी का मार्गदर्शन मिल रहा है । आपके पास दीर्घकालिक प्रशासनिक अनुभव है । आपकी प्रेरणा व कुशल नेतृत्व में मैं नित्य नए प्रतिमान स्थापित कर रहा हूँ। आज मेरे लाल शिक्षा, खेलकूद, चिकित्सा, वकालत, अभियांत्रिकी, सेना, वायुसेना, नौसेना तथा प्रशासनिक सेवा आदि क्षेत्रों में ख्याति प्राप्त कर रहे हैं । इनमें मुख्य रूप से ओमप्रकाश गल्होत्रा डी.जी.पी. राजस्थान, रोशन लाल सैनी (आई.ए.एस.) अतिरिक्त मुख्य सचिव, हरियाणा सरकार, शक्ति पाठक आई.पी.एस., डॉ. जितेन्द्र छाबड़ा विभागाध्यक्ष कम्प्यूटर विज्ञान, एन.आई.टी. कुरुक्षेत्र, डॉ. सतहंस विभागाध्यक्ष इलेक्ट्रॉनिक्स एन.आई.टी. कुरुक्षेत्र, डॉ. रमन अग्रवाल ऑर्थोपीड्क्स सर्जन फोर्टिस, शंकर जिन्दल मुख्य अभियन्ता, पंचायत विभाग हरियाणा सरकार, आर.पी.सैनी प्राचार्य डी.ए.वी. महाविद्यालय करनाल, श्याम लाल बत्रा मुख्य अभियन्ता, भारतीय रेल, वीरेन्द्र अरोड़ा (आई.ए.एस.), डॉ. पवन सैनी पूर्व विधायक लाडवा, सुभाष सुधा विधायक थानेसर व नन्हाराम फूले उपायुक्त आबकारी व कराधान विभाग हरियाणा सरकार, करनैल सिंह (उप सचिव सी. बी. एस. ई. दिल्ली) तथा श्री दीपक मनचन्दा, पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय प्रशासनिक न्यायाधीश जैसे अनेक छात्र विद्यालय से शिक्षा प्राप्त कर माँ भारती का गौरव बढ़ा रहे हैं। इसी प्रकार मेरे पूर्व प्राचार्यों ने भी मेरी ख्याति को राष्ट्रीय स्तर तक पहुँचाया है । मेरी 'रीढ़ की हड्डी' कहे जाने वाले पूर्व प्राचार्य श्री दीनानाथ बत्तरा जी को राष्ट्रीय पुरस्कार और श्री बृजलाल जी को राज्य पुरस्कार से सम्मानित किया गया। पूर्व प्राचार्य श्री रतन चन्द सरदाना जी व पूर्व आचार्य श्री ओमप्रकाश नागपाल जी को राज्य पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

भवन

कुरुक्षेत्र में विशाल भूखण्ड पर श्रीमद्भगवद्गीता वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय स्थित है तथा इसमें लाजपत छात्रावास अपने दोनों खण्डों सहित कार्यरत है। हरे-भरे कई पुष्पोद्यान तथा विशाल खेल का मैदान है। स्थान-स्थान पर महापुरुषों के चित्रमय बोधपट हमें अपने ध्येय की सतत् याद दिलाते रहते हैं। अत्याधुनिक उपकरणों से सुसज्जित सभी अध्ययन कक्ष हवा और प्रकाशयुक्त हैं। इनके नाम प्रान्तों, आदर्श महापुरुषों तथा धर्म-ग्रन्थों के आधार पर रखे गये हैं। नाम के अनुरूप ही प्रत्येक सदन की सज्जा की गई है।

पुस्तकालय

पुस्तकालय में सभी पाठ्य विषयों से सम्बन्धित पुस्तकें रखी हैं। इनके अतिरिक्त साहित्यिक, सामाजिक तथा धार्मिक विषयों की भी पर्याप्त पुस्तकें हैं। इनकी कुल संख्या 10 हजार से अधिक हैं। पुस्तकालय संचालन के लिए प्रशिक्षित पुस्तकालयाध्यक्ष नियुक्त हैं। कक्षा स्तर के अनुसार महापुरुषों के जीवन-चरित्र, चित्र-कथाएँ तथा आत्म-विकास से सम्बन्धित कुछ चुनी हुई पुस्तकों का अलग-अलग कक्षाओं के लिए 'किट बॉक्स पुस्तकालय' बनाया है। जिसका उपयोग विद्यार्थी अपने अतिरिक्त समय में बौद्धिक विकास हेतु करते हैं। JEE एवं NEET के लिए पुस्तकालय में एक अलग 'बुक बैंक' खोला गया है। ये पुस्तकें भी छात्रों को उपलब्ध करवाई जाती हैं।

वाचनालय (Reading Hall) में हिन्दी, संस्कृत व अंग्रेजी के कई दैनिक समाचार पत्र, साप्ताहिक, पाक्षिक और मासिक पत्र-पत्रिकाएं मँगवाई जाती हैं। सुविधानुसार इनका अध्ययन वाचनालय में किया जाता है। इनमें मुख्य रूप से दैनिक-ट्रिब्यून, राष्ट्रधर्म, दैनिक भास्कर, हरि-भूमि, अमर उजाला, अखण्ड ज्योति, क्रिकेट सम्राट, प्रतियोगिता दर्पण, विज्ञान प्रगति, कम्प्यूटर संचार, इतिहास दर्पण, देवपुत्र, इंडिया-टुडे, पाञ्चजन्य, G.K., Science Reporter, The Tribune, Sports Star, विज्ञान प्रगति, सामयिकी आदि प्रमुख हैं।

LABORATORIES

COMPUTER EDUCATION

A computer center has been established in the school. In which there are 40 computers and computer subject has been made mandatory for English medium students from class 6th to 12th. Teaching takes place through projector method in computer laboratory. Students are made aware of new technologies through the internet.

LABORATORIES

The school has laboratories for Physics, Chemistry, Biology, Computer Science and Mathematics subjects equipped with modern equipment and there is also a separate science laboratory for classes 6th to 10th. All types of necessary chemicals, charts, models, slides are kept in these laboratories. In these labs students get an opportunity to formulate their own ideas and make themselves workable in the real world.

INNOVATION

FINE ART

मनुष्य के मन-मस्तिष्क में विद्यमान 'सत्यम् शिवम् सुन्दरम्' की अभिव्यक्ति का एकमात्र माध्यम कला है । आज कला ऐसा क्षेत्र बन गया है, जहाँ कल्पनाशील और रचनात्मक पेशेवरों की भारी माँग हो रही है । आज टेलिविज़न, पत्र-पत्रिकाओं या विज्ञापनों में प्रयोग किए जाने वाले कम्प्यूटराइज्ड दृश्यों या चित्रों को देखकर आप अनुमान लगाते होंगे कि यह कैसे संभव होता है। इन कार्यों के पीछे 'फ़ाइन आर्ट' में दक्ष लोगों की महत्त्वपूर्ण भूमिका होती है । आज यह तेजी से उभरता हुआ क्षेत्र है, जिसमें कलाकार नई कलाकृति गढ़कर आर्थिक व सामाजिक प्रतिष्ठा अर्जित कर रहे हैं । आज फ़ाइन आर्ट का प्रयोग विज्ञापन, डिज़ाइनिंग, डिस्प्ले, पुस्तकें, मैगज़ीन, पोस्टर, कार्टूनिंग, कम्प्यूटर ग्रॉफिक्स, फ़ोटोग्राफ़ी, एनिमेशन, चित्रकारी व मूर्तिकारी आदि विभिन्न क्षेत्रों में हो रहा है । अपने विद्यालय में कक्षा छठी से दसवीं तक कला एक विषय के रूप में रखा गया है, जहाँ विद्यार्थियों को 'फ़ाइन आर्ट' की विभिन्न विधाएं, जैसे स्कैचिंग, शेडिंग, पेन ड्राइंग, पेंसिल - कलर, पोस्टर कलर, वाटर कलर, स्केच पेन कलर, कोलॉज मेंकिग, कार्टूनिंग, स्केल ड्राइंग व ज्योमेट्री आदि का प्रशिक्षण दिया जाता है ।

MUSIC

विद्यालय में विद्या भारती उत्तर क्षेत्रीय संगीत केन्द्र की स्थापना की गई है। जिसका उद्घाटन माननीय जे.एम. काशीपति जी (सहमंत्री विद्याभारती) के करकमलों द्वारा 6 जनवरी 2010 को सम्पन्न हुआ । इस केन्द्र में छात्रों की सांगीतिक प्रतिभाओं को निखारने के उद्देश्य से विभिन्न वाद्य यन्त्रों की व्यवस्था की गई है । छात्रों को हारमोनियम, गिटार, तबला आदि वाद्यों की सहायता से संगीत शिक्षण दिया जाता है । प्रातः कालीन वन्दना में छात्रों के द्वारा ही संगीत व्यवस्था होती है ।

SPORTS

Proud moment at School Games Federation of India (Weight Lifting)

First Position in Vidya Bharti National Games (Weight Lifting)

First Position in Vidya Bharti North zone Games (Football)

Proud moment at in Haryana Govt. State Level School Games (Weight Lifting)

First Position in Vidya Bharti North Zone Games

Football, Handball

Athletics

राष्ट्रीय सेवा योजना (N.S.S)

24 सितम्बर 1969 को राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी के जन्म शताब्दी वर्ष से राष्ट्रीय सेवा योजना का कारवाँ प्रारम्भ हुआ। राष्ट्रीय सेवा योजना (National Service Scheme) राष्ट्र की युवाशक्ति के व्यक्तित्व विकास हेतु युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार द्वारा संचालित एक सक्रिय कार्यक्रम है। इसकी गतिविधियों में भाग लेने वाले विद्यार्थी समाज के लोगों के साथ मिलकर समाज के हित के लिए कार्य करते हैं। प्रति वर्ष 24 सितम्बर को NSS Day मनाया जाता है। राष्ट्रीय सेवा योजना का प्रतीक चिह्न उड़ीसा के कोणार्क सूर्य मन्दिर के रथ के चक्र पर आधारित है जो स्वयंसेवकों को निरन्तर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करता है।

राष्ट्रीय सेवा योजना का सिद्धांत वाक्य मैं नहीं परन्तु आप (NOT ME BUT YOU) है। यह सिद्धांत वाक्य प्रजातांत्रिक ढंग से रहने का सार बताता है। नि:स्वार्थ सेवा की आवश्यकताओं का समर्थन करता है।

एन.सी.सी (N.C.C)

छात्रों में स्वदेश प्रेम तथा देश के प्रति कर्त्तव्यनिष्ठा का भाव जागृत करने के लिए विद्यालय में एन. सी. सी. आर्मी विंग एवं एयर विंग दोनों के प्रशिक्षण की पूरी व्यवस्था है। विद्यालय में नियमित प्रशिक्षण विद्यालय के योग्य अधिकारियों की देखरेख में होता है। इस वर्ष से एन. सी. सी. विषय को विद्यालय में वैकल्पिक विषय के रुप में लागू किया गया है।

आचार्य दक्षता वर्ग

आधुनिक शिक्षा जगत में नई–नई चुनौतियों का सामना करने हेतु एवं आचार्यों को शिक्षा से संबधित नई तकनीकों से अवगत करवाने हेतु प्रत्येक माह ''आचार्य दक्षता वर्ग'' का आयोजन किया जाता है। जिसके अंतर्गत सभी आचार्य नई शिक्षा नीति के अनुसार प्रत्येक विषय का गहन अध्ययन करते है। क्रिया आधारित शिक्षण एवं बाल केन्द्रित शिक्षण को ध्यान में रखते हुए आचार्य प्रत्येक माह कुछ नई गतिविधियों का अध्ययन भी करते हैं तथा अपने ज्ञान एवं कौशल के माध्यम से विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए कार्यरत हैं।

SPECIALITIES

EDUCATION

- Focus on students' holistic development
- Child centric
- Secure Learning environment
- Focus on Student well- being
- Emphasis on 21st Century skills - Creativity, critical thinking, Communication
- Digital and coding literacy
- Focus on learning outcomes like understanding, application etc.

CHARACTER BUILDING

Emphasis-on Core ethical values such as :

- Respect
- Justice
- Civic Virtues
- Citizenship
- Responsibility to self & others
- Team Work
- Perseverance
- Honesty
- Integrity

UNIQUE FEATURES

Child Centric & secure learning environment

- Focus on student's well-being
- Emphasis on 21st Century skills- creativity, critical thinking, communication & collaboration
- Community Service Programme
- Celebration of Indian Culture & values while fostering International Mindedness

SPORTS FACILITIES

- SGFI Recognition
- Lush green playground
- A 400m athletics track
- Soccer ground
- Tennis court
- Badminton court
- Basketball court
- Expert coach

CORE VALUES

- Education, Globalism, Humanism Innovation
- Compassion, Creativity Individualism
- Respect, Responsibility

EDUCATIONAL GOAL

- Cleanliness
- Compassion
- Commitment
- Determination
- Honesty
- Integrity
- Perseverance
- Respect
- Responsibility
- Self-discipline
- Trust
- Team Work

नारायण प्रतिभा खोज परीक्षा (NTSE)

विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान के द्वारा प्रत्येक वर्ष नारायण प्रतिभा खोज परीक्षा का आयोजन किया जाता है। कक्षा छठी से दसवीं तक के छात्रों के लिए यह परीक्षा करवाई जाती है। परीक्षा में उत्तीर्ण होने वाले छात्रों को विद्या भारती द्वारा मेडल, प्रमाण-पत्र एवं नकद उपहार से सम्मानित किया जाता है

श्री चावला स्मृति पुरस्कार

विद्यालय में दसवीं व बारहवीं कक्षा में अध्ययन के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्रों को प्रतिवर्ष 'श्री राजीव चावला स्मृति पुरस्कार' दिया जाता है। इसके अंतर्गत 10,000/- रुपये की धनराशि चावला परिवार की ओर से विद्यालय को दी जाती है। विद्यालय स्तर पर दसवीं कक्षा में प्रथम स्थान और बारहवीं में कला संकाय, वाणिज्य संकाय और मेडिकल/नॉन मेडिकल संकाय में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले छात्रों को 2000/- रुपये की पुरस्कार राशि वितरित की जाती है। यह पुरस्कार विद्यालय के पूर्व प्राचार्य दीनानाथ बत्रा जी की बहन की सुपुत्री श्रीमती ममता चावला जी अपने दिवंगत पति श्री राजीव चावला जी की स्मृति में देती हैं। श्री राजीव चावला जी हमारे विद्यालय के पूर्व छात्र थे। इन्होंने 1979 में विद्यालय से दसवीं की परीक्षा पास की थी। श्री राजीव चावला जी पंजाब नैशनल बैंक, मिर्जापुर ब्रांच में प्रबंधक के पद पर कार्यरत थे।

संस्कृति ज्ञान परीक्षा

विद्यार्थियों में सांस्कृतिक, साहित्यिक व कलात्मक अभिरुचियों के जागरण तथा इसके पंचविध विकास हेतु विद्या भारती द्वारा संस्कृति ज्ञान परीक्षा का आयोजन प्रतिवर्ष किया जाता है। यह परीक्षा केवल छात्रों के लिए ही नहीं अपितु आचार्यों के लिए भी अनिवार्य रूप से करवाई जाती है। विद्यार्थियों को आधुनिक शिक्षा देने के साथ-साथ भारतीय संस्कृति, संस्कार, सामान्य ज्ञान की शिक्षा देना एवं प्रत्येक भारतीय में देश प्रेम की भावना को जगाए रखना भी इस परीक्षा का उद्देश्य है।

Audio Visual Aids Using K-YAN

आधुनिक शिक्षा में दृश्य-श्रव्य उपकरणों का बहुत बड़ा योगदान रहता है। कठिन विषयों को इनके माध्यम से सहज ग्राह्य बना दिया जाता है। इसके लिए फिल्म-प्रोजैक्टर, टेलिविजन, रेडियो, ध्वनिवर्धक एवं कम्प्यूटर आदि उपकरण रखे गये हैं। इनके माध्यम से समय-समय पर शिक्षाप्रद फिल्मों का प्रदर्शन किया जाता है।

पाठ्य–विषय वर्ग एवं माध्यम

(विषय समूह और निर्देश का माध्यम)

विद्यालय में निर्धारित सभी अनिवार्य विषयों को कक्षा छठी से बारहवीं तक पढ़ाने की समुचित व्यवस्था है। वैकल्पिक विषय के रूप में संगीत शिक्षा, शारीरिक शिक्षा तथा कला विषय पढ़ाये जाते हैं। कक्षा 10+1 व 10+2 में Non-Medical, Medical (English Medium), मानविकी वर्ग (Humanities) तथा वाणिज्य वर्ग (Commerce Group) के विषय हिन्दी/अंग्रेजी माध्यम में पढ़ाने की व्यवस्था है। संगणक (Computer) विषय छठी से बारहवीं तक पढ़ाया जाता है।

अटल टिंकरिंग लैब (ATAL TINKERING LAB)

यह भारत सरकार के अटल इनोवेशन मिशन के तहत चलने वाली नीति आयोग की महत्त्वाकांक्षी योजना है। इसका उद्घाटन दिनाँक 26 सितम्बर 2018 को माननीय श्री हेमचन्द जी (राष्ट्रीय मंत्री, विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान एवं संगठन मंत्री, उत्तर क्षेत्र) द्वारा किया गया। इस प्रयोगशाला में विद्यार्थियों को विज्ञान प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित के विभिन्न पहलुओं को समझाने के साथ-साथ उपकरणों और औजारों का इस्तेमाल कर कुछ नया आविष्कार करने का अवसर दिया जाता है। इस प्रयोगाशाला में विद्यार्थी अपने आस-पास की समस्याओं का समाधान वैज्ञानिक तरीके से निकालते हैं।

नि:शुल्क संस्कार केंद्र

वर्तमान परिवेश में समाज का नैतिक पक्ष मूल्यहीन होता जा रहा है। जिस कारण आज का युवा वर्ग अपने लक्ष्य से भटक गया है। समाज का संस्कार पक्ष मजबूत हो, इसलिए विद्यालय के द्वारा नगर के विभिन्न स्थानों पर अनेक संस्कार केंद्र चलाए जा रहे हैं। इन संस्कार केंद्रो में सायंकाल में आर्थिक रूप से कमजोर विद्यार्थियों को नि:शुल्क शिक्षा दी जाती है। बालकों का संस्कार पक्ष मजबूत करने के लिए समय-समय पर विभिन्न प्रेरणादायक कार्यक्रमों का आयोजन भी किया जाता है।

उपस्थिति एवं अवकाश सम्बन्धी नियम (PRESENCE AND LEAVE RULES)

1. प्रत्येक छात्र को वार्षिक परीक्षा में बैठने के लिए 90 प्रतिशत उपस्थिति अनिवार्य है।
2. प्रात: कालीन प्रार्थना सभा में सभी छात्रों एवं आचार्यों की उपस्थिति अनिवार्य है।
3. लगातार 3 दिनों तक बिना पूर्व सूचना के अनुपस्थित रहने पर विद्यालय पंजिका से नाम अलग कर दिया जाता है।
4. विद्यालय में आयोजित कार्यक्रमों, पाठ्येतर गतिविधियों, अतिरिक्त पाठ्य कक्षाओं व खेलों में भाग लेना आवश्यक है।
5. अवकाश सम्बन्धी आवेदन अभिभावकों की संस्तुति तथा प्राचार्य जी के अनुमोदन के उपरान्त ही स्वीकार किए जाते हैं। दो दिन से अधिक अवधि का अवकाश लेने के लिए अभिभावक को स्वयं आवेदन पत्र प्रस्तुत करना होगा।

शैक्षिक–यात्रा
(EDUCATIONAL TOURS)

हमारी शिक्षा–पद्धति में देश दर्शन का विशेष महत्त्व है, धार्मिक तथा ऐतिहासिक महत्त्व के स्थानों तथा महापुरुषों की कर्मस्थलियों का प्रत्यक्ष दर्शन करने से ज्ञान और संस्कार के भाव बालकों के अन्त:करण पर पड़ते हैं। इन यात्राओं से बालक अपने अनुभव से अनेक बातें सीखते हैं। प्रतिवर्ष विद्यालय द्वारा इन यात्राओं का आयोजन किया जाता है। ये विभागानुसार अलग–अलग तथा सामूहिक भी होती हैं। गत वर्ष 100 छात्रों का एक दल छतबीड़ चिड़ियाघर देखने के लिए गया था।

दैनन्दिनी (STUDENT DIARY)

सभी छात्रो को विद्यालय से एक दैनंदिनी दी जाती है तथा उसे प्रतिदिन विद्यालय में लाना अनिवार्य है। इसमें सभी प्रकार के पठन–पाठन संबंधी विवरण अंकित किए जाते हैं। छात्रों के चारित्रिक विकास एवं अनुशासनबद्धता में दैनंदिनी सहायक सिद्ध होती है। दैनंदिनी के विवरण बालक के पूरे व्यक्तित्व को मूल्यांकित करते हैं। अभिभावकों को नियमित रूप से इसकी जाँच करनी चाहिए। दैनंदिनी माँगने पर दिखाना आवश्यक है अन्यथा अनुशासनात्मक कार्यवाही की जा सकती है।

छात्रवृत्ति एवं नि:शुल्क शिक्षा व्यवस्था (SCHOLARSHIPS & FREE EDUCATION)

ऐसे प्रतिभावान छात्र जो निर्धनता के कारण पढ़ाई नहीं कर पाते उनको विद्यालय की तरफ से नि:शुल्क शिक्षा, पुस्तकें एवं पाठ्यसामग्री आदि की सुविधा दी जाती है। सीमित संख्या में, अति मेधावी किन्तु आर्थिक रूप से पिछड़े छात्रों को नि:शुल्क आवास एवं भोजन की सुविधा भी दी जाती है।

अभिभावक व आचार्य सम्मिलन (PARENTS & TEACHERS MEETING)

1. प्रत्येक मास के द्वितीय शनिवार को अभिभावक अपने बालक की प्रगति एवं शैक्षणिक सुझाव हेतु विद्यालय में अनिवार्य रूप से सम्पर्क करेंगे। अभिभावक अन्य दिनों में प्राचार्य जी की विशेष अनुमति से सम्पर्क कर सकते हैं।
2. विद्यालय में आने हेतु अभिभावक के पास विद्यालय द्वारा निर्धारित परिचय पत्र (ID) का होना अनिवार्य है।

विद्यालय शुल्क (SCHOOL FEE) 2024-25

Class	One Time Fee				Monthly Fee	G. Total
	Admission Fee	Govt. Fund	Security Refundable	Total	Composit Fee (Per Month)	At the time of Addmission
11th & 12th Science	500.00	969.00	300.00	1769.00	3350.00	5119.00
11th & 12th Commerce	500.00	789.00	300.00	1589.00	3250.00	4839.00
11th & 12th Arts	500.00	669.00	300.00	1469.00	3200.00	4669.00
10th	500.00	369.00	300.00	1169.00	2800.00	3969.00
9th	500.00	369.00	300.00	1169.00	2800.00	3969.00
8th	500.00	0.00	300.00	800.00	2100.00	2900.00
7th	500.00	0.00	300.00	800.00	2100.00	2900.00
6th	500.00	0.00	300.00	800.00	1950.00	2750.00

Note :
Cycle Parking fee Rs. 400/- Per Year. No Car, Scooter and Bike allowed in the School.

OUR STAR ACHIEVERS

CLASS XII

KESHAV
95.2%

SUMAN
94.8%

YOJIT KAUSHIK
94%

SUBIR
93.2%

MANDEEP
93.2%

KESHAV
92.4%

ROHIT
92.4%

PARVINDER
91.4%

SATYAM
91%

RAKSHIT
89.2%

DIMPLE
88%

VANSH
84.6%

At SMB Gita Sr. Sec. School aspirations rise with no room for setbacks. SMB's specialized teaching methodology for the last 75 years has nurtured students with individualized one-on-one support and made them rise high.

CLASS X

AMANAT PRATEEK
93%

YAMAN
92.2%

SAHIL
92.2%

NAVEEN
91.2%

RIHAN
90.8%

DIVANSHU
89.2%

BHARAT
88%

MONU
87.2%

KESHAV
87.2%

MANISH
87.2%

RITIK
85.6%

VISHAL
85.2%

SMB GITA SCHOOL ALUMNI

DEVI CHAND
1st in Haryana (2007-08)

RAJAT
1st in Haryana (2015-16)

YASH KULSHRESTHA
1st in Science Stream
in Haryana (2015-16)

CHETAN GARG
Topper in Distt. (2008-09)

SOUDAGAR
Topper in Distt. (2010-11)

ASHISH GABA
Topper in Distt. (2010-11)

VARUN DHIMAN
Topper in Distt. (2011-12)

GURDEV SINGH
Topper in Distt. (2013-14)

MANISH YADAV
Topper in Distt. (2017-18)

VILAS RAJ SHARMA
2nd Topper in Distt.
(2017-18)

RAJAT SAROHA
Topper in Distt. (2016-17)

YOJIT KAUSHIK
Topper in Distt. (2017-18)

DR. DINESH BATRA
Owner Of Cygnus Hospital

DR. S.M GUPTA
Professor. Civil Engg

DR. SATHANS
Professor Electrical Engg

MANDEEP SAINI
2nd Topper in Distt.
(2017-18)

ASHOK MITTAL, IRS
Ex. Income Tax
Commissioner

DR. ANIL AGARWAL
Famous Surgeon
5 Time State Award Holder

DR. SUDHIR AGARWAL
Scientist USA

DR. ARUN-GOEL
Professor (Head of
Department) Civil Engg

DR. PARVEEN SAINI
Professor
Mechanical Engg

DR. PRAVEEN-AGGARWAL
Professor Civil Engg

DR. ARUN-GOEL
Professor
Mechanical Engg

DR. K.S. SANDHU
Professor
Electrical Engg

DR. DIKSHIT GARG
Dean.student Welfare
Nit Kkr

DR. SUSHIL MADAN
Professor of Civil Engineering
N.I.T. Kurukshetra

DR. JITENDER CHHABRA
Professor, CSE
NIT KKR

LATE ROHIT SARDANA
Journalist Editor
Zee Media

NANHA RAM
Dy. Excise Commissioner

DR. AVNEESH VERMA
Reg. Gju Hisar

DR. SANJEEV SHARMA
REG. KUK

RAKESH CHOUHAN
Head of IT
in Ahli Bank Qatar

SHAM LAL MITTAL
Ex Chief Engineer Railway

PROF. SUDHIR AGGARWAL
Scientist USA
14 Patent

ARUN GOEL
Director
Tirupati Group

ANIL BATRA
CEO
Technology Products India

DR. PANKAJ SHARMA
Director
Narayani Group of Institutions

SANJAY CHAUDHARY
Department Of Economic
& Statistical Analysis

JUSTICE DEEPAK MANCHANDA
Judge, Punjab & Haryana
High Court, Chandigarh

गणवेश (UNIFORM)

कक्षा छठी व सातवीं

ग्रीष्मकालीन

बुधवार एवं शनिवार को

शेष दिनों में

शीतकालीन

बुधवार एवं शनिवार को

शेष दिनों में

कक्षा आठवीं से कक्षा दसवीं

ग्रीष्मकालीन

बुधवार एवं शनिवार को

शेष दिनों में

शीतकालीन

बुधवार एवं शनिवार को

शेष दिनों में

कक्षा ग्यारहवीं एवं कक्षा बारहवीं

ग्रीष्मकालीन

बुधवार एवं शनिवार को

शेष दिनों में

शीतकालीन

बुधवार एवं शनिवार को

शेष दिनों में

छात्र गणवेश लेने से पहले अपने कक्षा इंचार्ज से संम्पर्क करें।

1. उपरोक्त गणवेश दुकानों पर बताकर लिया जा सकता है।
2. बुधवार और शनिवार सफेद पैंट, सफेद कमीज, सफेद जुराब एवं काले रंग के फीते वाले जूते पहनना अनिवार्य है।
3. शेष दिनों में विद्यार्थी को विद्यालय द्वारा निर्धारित उपरोक्त गणवेश पहनना अनिवार्य है।
4. निर्धारित वेश न होने पर विद्यार्थी पर नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी ।
5. पेंट की मोहरी कम से कम 16 इंच होना अनिवार्य है।
6. नैरो पैंट विद्यालय में पहनने की अनुमति नहीं है।
7. केश (बाल) सुव्यवस्थित होने चाहिए ।

विद्यालय **Logo** ब्लेजर, स्वेटर एवं कमीज पर लगा होना अनिवार्य है

छात्रावास (HOSTEL)

लाजपत छात्रावास

छात्रावासी जीवन रोमांचक होता है। इससे छात्र की गुप्त प्रतिभाएँ उसके ज्ञान–विज्ञान के द्वार खोलती है। जिससे छात्र का शैक्षिक, शारीरिक बौद्धिक, मानसिक, प्राणिक एवं आत्मिक शक्तियों का विकास होता है। छात्रावास में रहकर छात्र में विनम्रता, सच्चरित्रता, साहस, स्वाभिमान, लक्ष्य की प्राप्ति, राष्ट्रभक्ति, कर्तव्य पालनता, दया, प्रेम सेवा व सद्भाव आदि मौलिक गुणों का विकास होता है। आज समाप्त होते चारित्रिक मूल्यों, टूटती हुई परम्पराओं एवं गिरते हुए आदर्शों को यदि रोकना है तो हमें अपने बच्चे को छात्रावासी जीवन से जोड़ना होगा।

छात्रावास का परिसर साफ व स्वच्छ वातावरण से युक्त है। जिसमें रहकर छात्र बाहरी विषमताओं से दूर होकर अपने व्यक्तित्व का सर्वांगीण विकास करता है। छात्रावास में कक्षा छठी से बाहरवीं तक के छात्रों के आवास की व्यवस्था है।

विशेष ध्यान दें :

जिन छात्रों को मिर्गी आदि का दौरा पड़ता है अथवा कोई अन्य गंभीर रोग है, ऐसे छात्रों को घर पर ही पढ़ाया जाए। यह उनके हित में है। छात्रावास में उनके लिये कोई अलग अथवा विशेष व्यवस्था कर पाना संभव नहीं है। यदि कोई ऐसा छात्र प्रवेश ले लेता है तो उसे निष्कासित करने का अधिकार छात्रावास प्रमुख को है।

लाजपत छात्रावास

प्रवेश प्रक्रिया (Admission Procedure)

6वीं, 9वीं एवं 11वीं में प्रवेश पिछली कक्षा के प्राप्तांको, प्रवेश परीक्षा के अंको व साक्षात्कार के आधार पर दिया जाता है।

छात्रावास शुल्क (Hostel Fee and other charges)

आवश्यक निर्देश

1) प्रवेश परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले छात्रों का काउंसलिंग के माध्यम से प्रवेश निश्चित होगा

2) उत्तीर्ण छात्र को अपना विद्यालय त्याग प्रमाण-पत्र, रिपोर्ट कार्ड,जन्म प्रमाण-पत्र तथा अभिभावक आधार कार्ड के साथ-साथ अपना आधार कार्ड भी जमा करवाना अनिवार्य होगा।

3) छात्र का पूर्ण स्वस्थ होना नितान्त आवश्यक है इसके लिए छात्र को अपना चिकित्सा प्रमाण-पत्र भी देना अनिवार्य होगा।

छात्रावास शुल्क (HOSTEL FEE & OTHER CHARGES)

छात्रावास का वार्षिक शुल्क ₹1,16000/- है। जो निम्न तीन किस्तों में देय होगा।

प्रवेश के समय देय राशि (पहली किस्त)	₹ 39000/-
1 से 10 सितम्बर तक (दूसरी किस्त)	₹ 39000/-
1 से 10 दिसम्बर तक (तीसरी किस्त)	₹ 38000/-

छात्रावास शुल्क उपरोक्त तिथियों के अनुसार जमा कराएं अन्यथा ₹ 1000/- प्रति मास विलम्ब शुल्क लगेगा।

विशेष ध्यान दें :

1. शिक्षा सत्र में यदि कोई छात्र किसी कारणवश पृथक् होता है अथवा कर दिया जाता है तो उस स्थिति में किसी भी प्रकार के शुल्क की वापसी नहीं होगी।
2. छात्रावास के अवकाश की व्यवस्था अलग से होती है। विद्यालय में अवकाश होने की स्थिति में आवासीय छात्रों को घर जाने की अनुमति नहीं होगी।

छात्रावास नियमावली (HOSTEL RULES)

1. बिना अनुमति लिए छात्रावास परिसर से बाहर जाने पर या घर जाने पर छात्र के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही होगी।
2. सगे भाई या बहन के विवाह हेतु अधिकतम तीन दिन का अवकाश मिल सकेगा। प्रार्थनापत्र के साथ परिवार में होने वाले विवाह का कार्ड अवश्य लगाएं।
3. परीक्षा, वार्षिक उत्सव एवं शिविर के दिनों में इस प्रकार के अवकाश की कोई व्यवस्था नहीं है।
4. आवश्यक कार्य जैसे-स्वयं बालक की चिकित्सा अथवा अपने ही परिवार के अन्य सदस्य के अस्वस्थ होने पर पूर्व स्वीकृत अवकाश दिया जा सकेगा।
5. स्वीकृत अवकाश की समाप्ति के पश्चात् बिना पूर्व सूचना के अनुपस्थित रहने पर 100/- रुपए प्रतिदिन के हिसाब से आर्थिक दण्ड देय होगा। छात्रावास में न आने की सूचना अवकाश समाप्ति की तिथि की पूर्व संध्या तक पहुंच जानी चाहिए। अस्वस्थ होने पर अवकाश दिया जा सकेगा। अस्वस्थता का चिकित्सीय प्रमाण-पत्र (Medical Certificate) जमा कराना होगा।
6. कार्य दिवस पर विद्यालय समय में अभिभावकों को छात्रों से मिलने की अनुमति नहीं दी जाएगी। छात्रों से फोन पर सम्पर्क केवल दूसरे रविवार को ही किया जा सकता है। अभिभावक केवल महीने के अन्तिम रविवार को ही छात्रावास में चीफ वार्डन की अनुमति से अपने बालकों से मिल सकते हैं ।
7. सुरक्षा के दृष्टिगत, अभिभावक/माता/पिता द्वारा पूर्व निश्चित व्यक्ति के साथ ही छात्र को अवकाश पर भेजा जा सकेगा।
8. छात्र की समस्या के समाधान हेतु अभिभावक छात्रावास पर्यवेक्षक से सम्पर्क कर सकते हैं।

   दूरभाष - छात्रावास 8572867027

   छात्रों से फोन पर सम्पर्क केवल रविवार को ही किया जा सकता है।
9. नियमावली परिवर्तन का अधिकार विद्यालय प्रबन्ध समिति के पास सुरक्षित है। किसी भी न्यायिक विवाद की स्थिति में न्यायक्षेत्र कुरुक्षेत्र (हरियाणा) होगा ।
10. कृपया नियमावली सुरक्षित रखें ।

छात्रावास हेतु आवश्यक सामान की सूची

छात्रावास वेश (स्वयं लायें)

स्पोर्टस् शूज – 1 जोड़ी

सफेद कुर्ता पायजामा पट्टी वाला – 2 जोड़ी

विद्यालय वेश (स्वयं लायें)

यूनिफॉर्म – दोनों प्रकार की

काले जूते (पॉलिस सहित) – 1 जोड़ी

अन्य सामान (स्वयं लायें)

दैनिक उपयोग के लिए कपड़े (2 जोड़ी), अलार्म घड़ी, चप्पल–1 जोड़ी, टुथब्रश, कंघी–1, तेल साबुन आवश्यकतानुसार, तौलिया–2, ताला–1, सर्दी के कपड़े आवश्यकतानुसार, रजाई – कवर सहित

छात्रावास से

ट्रैक सूट, गद्दा, 2 बैड शीट, गेम ड्रैस, नाई एवं धोबी की सुविधा

बाल बैंक (STUDENT'S BANK)

धन को यदि ठीक प्रकार विनियोजित न किया जाये तो वह कई प्रकार के दोष उत्पन्न कर देता है। बालकों के संदर्भ में इसका विशेष ध्यान रखना पड़ता है। बालकों के निजी व्यय के समुचित नियन्त्रण के लिए छात्रावास में एक बाल बैंक बनाया गया है। छात्र को अपने पास किसी प्रकार का धन रखने की अनुमति नहीं है। प्रत्येक छात्र के पास अपनी पासबुक होती है। आवश्यकता पड़ने पर पर्यवेक्षक की स्वीकृति से पैसे निकाल सकते हैं। व्यक्तिगत खाते में शेष जमा राशि न्यूनतम रुपये 1000/– रखना आवश्यक है जो छात्रावास छोड़ने पर ही वापिस की जाएगी।

चिकित्सा (MEDICAL AID)

छात्रावास में ही प्राथमिक चिकित्सा की व्यवस्था है। आवश्यकता पड़ने पर अनुभवी चिकित्सकों की सेवायें भी ली जाती हैं।

छात्रावास द्वारा केवल प्राथमिक एवं आरम्भिक चिकित्सा का व्यय वहन किया जाता है। अन्य चिकित्सा व्यय अभिभावक को देना पड़ता है

अतिरिक्त शिक्षण व्यवस्था (EXTRA CLASSES)

छात्रावास के छात्रों की शैक्षिक प्रगति को गति प्रदान करने हेतु छात्रावास में प्रत्येक कक्षा की विषयानुसार विशेष कक्षाओं (Tuition) की व्यवस्था होती है । इसके लिए छात्रों को अलग से शुल्क देना होता है । इन कक्षाओं में अनुभवी शिक्षकों द्वारा कक्षाएं लगाई जाती हैं ।

आवास (ROOM)

आवासीय कक्ष सभी सुविधाओं से पूर्ण हैं। प्रत्येक कक्ष में चार/पाँच छात्रों के रहने की समुचित व्यवस्था है। प्रत्येक छात्र के लिए तख्तपोश, अलमारी/रैक, कुर्सी, मेज़ आदि उपलब्ध हैं । छात्रावास की तरफ से 2 चादरें व तकिया कवर दिए जाएंगे । विद्युत की निरन्तर आपूर्ति हेतु विद्यालय में जनरेटर सैट भी है ।

पुस्तकालय (LIBRARY)

छात्रावास में भी एक पुस्तकालय की व्यवस्था की गई है जिसमें प्रेरक साहित्य, महापुरुषों की जीवनियाँ, आवश्यक पत्र-पत्रिकाएँ तथा धर्म-ग्रन्थों का संकलन किया गया है। प्रतियोगी परीक्षा से संबन्धित पुस्तकों की भी व्यवस्था है। परन्तु इनका उपयोग अवकाश के दिनों में या प्रतियोगिताओं के अवसरों पर होता है ।

शुल्क वापसी (REFUND)

प्रवेश के बाद यदि कोई बालक किसी कारणवश छात्रावास छोड़ता है या छुड़वाया जाता है तो उस स्थिति में कोई भी शुल्क वापिस नहीं होगा।

दिनचर्या (ROUTINE)

छात्र का सर्वांगीण विकास हो, इसके लिए आवश्यक है- समय का समुचित सदुपयोग। इसके लिए छात्रावास में व्यवस्थित दिनचर्या होती है। दिनचर्या का निर्धारण मौसम के अनुसार होता है व इसका पालन प्रत्येक छात्र को करना होता है।

देश दर्शन (TOURS)

प्रतिवर्ष छात्रवासी छात्रों को देश दर्शन हेतु विभिन्न स्थलों का भ्रमण करवाने की व्यवस्था रहती है इन भ्रमणों के द्वारा छात्रों में उत्साह, देश प्रेम, आध्यात्मिक विकास एवं भौगोलिक ज्ञान की अभिवृद्धि होती है इसी क्रम में गत वर्ष 50 छात्रों का एक दल छात्रावास कार्यकर्ताओं के साथ राजस्थान, मथुरा व वृंदावन की यात्रा पर गया ।

मनोरंजन (RECREATION)

छात्रों को नियमित दिनचर्या के साथ-साथ समयानुसार दूरदर्शन पर देशभक्ति से परिपूर्ण तथा अन्य संस्कारप्रद कार्यक्रम दिखाने की व्यवस्था होती है ।

विशेष चेतावनी

“आभूषण, ट्रांजिस्टर, कैमरा, वॉकमैन, सिम कार्ड, एम.पी.3, एम.पी.4, मोबाइल फोन, लैपटॉप तथा अवाञ्छित साहित्य छात्रावास में लाने एवं रखने की अनुमति नहीं है, मिलने पर छात्र का छात्रावास से निष्कासन किया जाएगा ।

निवेदन

बालक अति संवेदनशील होता है। सामान्य व्यक्ति की अपेक्षा बालक के कोमल व पवित्र अन्तर्मन पर हर बात का शीघ्र प्रभाव होता है। दैनिक-जीवन के छोटे-२ क्रियाकलाप धीरे-२ उसके स्वभाव के स्थायी अंग बन जाते हैं । अच्छे विद्यालय या अच्छे छात्रावास में प्रवेश करवाने मात्र से आपके (अभिभावक) कर्तव्य पूरे नहीं हो जाते । बालक के सम्यक् विकास के लिए आचार्य एवं अभिभावक दोनों को समान रूप से सहभागी होना आवश्यक है। अतः आपका सहयोग एवं विद्यालय से निरन्तर सम्पर्क अति आवश्यक है ।

अभिभावक सम्पर्क (CONTACT WITH PARENTS)

बालक की सभी गतिविधियों से सम्बन्धित विस्तृत सूचनाएं समय-समय पर अभिभावकों के पास डाक या फोन द्वारा भेजी जाती है। जिसमें पढ़ाई, स्वास्थ्य, आचार-व्यवहार आदि की पूरी जानकारी होती है। इन सूचनाओं पर ध्यान देकर बालक को सचेत करते हुए इनका उत्तर देना अभिभावक का कर्तव्य है। अभिभावकों को आवश्यकता पड़ने पर बुलाया भी जा सकता है।

भोजनालय (MESS)

भोजनालय सहकारी (को-ऑपरेटिव) आधार पर चलाया जाता है । यहाँ शुद्ध, शाकाहारी, रुचिकर तथा पौष्टिक भोजन दिया जाता है।

आध्यात्मिक विकास (SPIRITUAL DEVELOPMENT)

विद्यार्थियों को मानसिक एवं आध्यात्मिक रूप से समुन्नत करने के लिए योग, प्रातःस्मरण, भोजन पूर्व भोजन मन्त्र उच्चारण एवं संध्या करना अनिवार्य है । इसके अतिरिक्त समय-समय पर प्राचार्य, आचार्य एवं समाज के प्रबुद्ध-जनों द्वारा नैतिक विषयों पर बच्चों को सम्बोधित किया जाता है । धार्मिक एवं सामाजिक पर्वों को मनाने पर उसमें भाग लेना अनिवार्य है । इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों को निर्धारित वेश श्वेत कुर्ते पायजामे में आना होता है।

छात्रावास से निष्कासन (EXPULSION OF STUDENTS)

निम्नलिखित कारण/कारणों के होने पर किसी भी छात्रावासी को छात्रावास से निष्कासित कर दिया जाता है।

1. अनैतिक आचरण या अभद्र व्यवहार।
2. अनुशासनहीनता या अव्यवस्था करने पर।
3. छात्रावास की दिनचर्या में समरस न होने पर।
4. शुल्क समय पर जमा न कराने पर ।
5. धूम्रपान एवं नशीली वस्तुओं का सेवन करने पर।
6. विद्यालय अथवा छात्रावास की सम्पत्ति को हानि पहुँचाने पर।
7. अनुमति प्राप्त किए बिना छात्रावास से चले जाने पर ।
8. शैक्षिक प्रगति असंतोषजनक होने पर ।
9. मोबाइल व आपत्तिजनक सामग्री पाए जाने पर ।

यातायात (Transport)

रूट न: 1 – लाडवा रोड़ (सिरसमा), उमरी, खेड़ी, बोढी, समानाबाहु, झिरबड़ी, उमरी चौंक, सै०3,4,5,7 सुन्दरपुर, पिपली, ग्रीन फिल्ड़, हरि नगर, रतगल गुरूद्वारा, मोहन नगर चौक।

रूट न: 2– लुक्खी, बचगावां गामड़ी, बगथला, बलाही, दबखेड़ी, जोगना खेड़ा, बाहरी, नरकातारी, थर्डगेट, दर्राखेड़ा, आजाद नगर, शांतिनगर, कल्याण नगर, शेख चिल्ली मकबरा, भद्रकाली चौंक, मॉडल टाऊन, रोटरी चौक।

रूट न: 3– हथीरा, किरमिच, समसीपुर, दयालपुर, सुनहेड़ी, आकाश नगर, बी.आर. स्कूल रोड़, खेड़ी, ब्राह्मण, आलमपुर चनारथल रोड़, N.I.T. यूनिवर्सिटी, भट्टा कॉलोनी, विवेकानंद कालोनी, थर्ड गेट, बिरला मंदिर चौंक।

रूट न: 4– सिरसला, कसेरला, प्रतापगढ़, मझाड़ा, डी.डी. कॉलोनी, खेड़ी मारकंडा, मोहन नगर, लाल द्वारा मंदिर, ज्योति नगर, न्यू कॉलोनी, कृष्णा नगर गामड़ी, विकास नगर।

रूट न: 5– कमोदा, बारना, बारवा, मिर्जापुर, थर्ड गेट, अभिमन्युपुर, चंद्रभानपुरा, खेड़ी रामनगर, खासपुर, डी.सी. कॉलोनी, सुंदरपुर, सै० 13 (अंदर)।

रूट न: 6– झिंवरहेड़ी, हिंगाखेड़ी, अजरानी, अजराना, भिवानी खेड़ा, भद्रकाली मंदिर रोड़, पावर हाऊस, घमुरखेड़ी, बिशन गढ़, बहादुरपुरा मोड़, अढोन, अढोनी , सराय सुखी, चीबा।

नोट: 1. ये सभी रूट प्रस्तावित है, छात्र संख्या पर्याप्त होने पर विचार किया जाएगा।

2. यदि किसी कारण वश छात्र बस सुविधा लेकर छोड़ता है तो उसे पूरे वर्ष की फीस देना अनिवार्य है।

3. एक तरफ की बस सुविधा नहीं दी जाएगी।

4. एक गांव में केवल एक ही स्टोपीज होगा।

Transport Incharge

Mahavir Vats

+91 94169 15168

+91 98127 10003

THE TEACHING STAFF

Sr. No.	Name	Desiganation	Qualification
1	Sh. Anil Kumar	PRINCIPAL	M.A., B.Ed.
2	Sh. Narender Kumar	PGT ENGLISH	M.A.,M.PHIL., B.Ed.
3	Sh. Sandeep Kumar	PGT ENGLISH	M.A., B.Ed.
4	Sh. Yogesh Sharma	PGT MATHS	M.Sc. (Math), B.Ed
5	Smt. Monika Shah	PGT COMMERCE	M.Com, B.Ed.
6	Sh. Punit Doda	PGT COMMERCE	M.Com, B.Ed.
7	Ms. Sanjoly Gupta	PGT MATHS	M.Sc., B.Ed.
8	Sh. Pardeep Kumar	PGT PHY.	M.Sc., B.Ed.
9	Sh. Ras Bihari Pandey	PGT HINDI	M.A (Hindi, Eco, Skt.), B.Ed.
10	Ms. Garima Goyal	PGT BIOLOGY	M.Sc., B.Ed.
11	Sh. Gulshan Kumar	TGT MATHS	B.A. B.ED
12	Sh. Anil Kumar	TGT MATHS	B.SC. B.ED
13	Sh. Anuj Kumar Walia	TGT SCIENCE	B.SC. B.ED
14	Sh. Virender Singh	TGT C.S.	M.C.A.
15	Sh. Jai Deep Mehta	TGT S.S	M.Sc(Geo),M.Ed,M.A(His)
16	Sh. Pankaj Garg	TGT MATHS	M.Sc., B.ED
17	Sh. Sarwan Kumar	TGT HINDI	M.A(Hindi), B.Ed.
18	Sh. Anil Kumar Arora	TGT MATHS	M.A, B.Ed, M.COM. B.Sc(Math)

Sr. No.	Name	Desiganation	Qualification
19	Sh. Neeraj Kumar Sharma	TGT S.ST.	M.A. B.ED, M.PHIL.
20	Sh. Vikas Kumar	TGT COMPUTER	M.Sc. Computer
21	Sh. Kamlesh Chandra Shukla	TGT HINDI/SANSKRIT	M.A (Hindi)
22	Sh. Rajeev Kumar	PTI	B.P.Ed, M.P.Ed,
23	Sh. Kapil Yadav	PTI	B.P.Ed, M.P.Ed, UGC NET, PGD YOGA
24	Smt. Kanika Sharma	MUSIC TEACHER	M.A., B.Ed.
25	Sh. Parveen	TGT SANSKRIT	M.A., B.Ed.
26	Smt. Geeta	TGT S.ST.	M.A. M.PHIL, P.hd
27	Ms. Shambhavi Jaiswal	TGT Science	M.Sc, B.Ed
28	Smt. Varsha	TGT S.ST.	M.A., B.Ed.
29	Smt. Renu Sharma	TGT English/S.ST.	M.A., B.Ed.
30	Sh. Vinod Kumar	PGT CHEM.	M.Sc(CHE.),M.PH.
31	Smt. Anita Rani	TGT HINDI	M.A. B.Ed.
32	Sh. Narender Kumar	TGT DRAWING	Dep. Art & Craft
33	Sh. Sat Pal yadav	TGT DRAWING	Fine Arts
34	Smt. Divya	ATL INSTRUCTOR	B.Tec (ECE)
35	Ms. Monika sharma	TGT SCIENCE	M.Sc. B.Ed.

SMB @ Glance

SMB GITA SR. SEC. SCHOOL

SYDNEY PTE MASTER
THE PTE & VISA SPECIALIST

Toll Free: 1800 88 92088

IELTS, PTE & STUDY PERMIT
services at the school premises

We're glad to announce that the doors of global education are now open at our school. We will be assisting you thoroughly in making your dreams to study abroad come true. Also we'll be facilitating you with IELTS, PTE & Study Permit services at the school premises in association with our trusted partners Sydney PTE Master-an Australia Based Company for PTE coaching & Manchester Club of IELTS- a UK Based Company for IELTS coaching. We will also be providing you with Spoken English & Personality Development Sessions to boost your confidence for your development. You will be offered complete career guidance on higher education overseas and end-to-end support for your study permit abroad

MANCHESTER CLUB OF IELTS
Inspired by MUFC UK
AN ABSOLUTE IELTS ZONE

Toll Free: 1800 88 95099

हमें यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि अब हमारे विद्यालय में वैश्विक शिक्षा के दरवाजे खुल गए हैं। विदेश में अध्ययन करने के आपके सपनों को साकार करने में हम आपकी पूरी सहायता करेंगे। इसके अलावा, हम आपको PTE कोचिंग के लिए हमारे विश्वसनीय पार्टनर्स Sydney PTE Master-an Australia Based Company और IELTS कोचिंग के लिए Manchester Club of IELTS- a UK Based Company के सहयोग से स्कूल परिसर में IELTS, PTE और Study Permit सेवाओं की सुविधा प्रदान करेंगे। आपके समग्र विकास के लिए आपके आत्मविश्वास को बढाने के लिए हम आपको Spoken English और Personality Development Sessions भी प्रदान करेंगे। आपको विदेशों में उच्च शिक्षा पर संपूर्ण करियर मार्गदर्शन और आपके Study Permit के लिए शुरु से अंत तक सहायता की जाएगी।

Railway Road, Kurukshetra School : 9254329006, Hostel : 8572867027, 8295500702
smbgitassskkr@gmail.com www.smbgitaschool.in www.facebook.com/smbgita smbgitassskkr@gmail.com